ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class -VI

Subject- Hindi Second Language

Topic- पार नज़र के

Done by –Anu Bala

पाठ- 9 - पार नज़र के(कहानी)

लेखक - जयंत विष्णु नार्लीकर

पाठ- 9 पार नज़र के (कहानी)

यह विज्ञान पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है यह कहानी मंगल ग्रह के निवासियों की है। मंगल ग्रह के निवासी ज़मीन के नीचे रहते हैं। छोटू मंगल ग्रह का एक बालक है। उसके पापा एक सुरंग नुमा रास्ते से ज़मीन के ऊपर जाकर काम करते हैं।छोटू के पापा जिस सुरंग नुमा रास्ते में जाकर काम किया करते हैं वहाँ आम आदमी के जाने की मनाही थी, वहाँ कुछ चुनिंदा लोग ही जा सकते थे और छोटू के पापा इन्हीं चुनिंदा लोगों में से एक थे। छुट्टी वाले दिन छोटू के पापा आराम कर रहे थे, तो उसने पापा का सिक्योरिटी पास हथिया लिया और उसकी सहायता से सुरंग में चला गया।सुरंग में जाने के लिए एक दरवाज़ा था।

काल्पनिक- imaginary मंगल ग्रह- planet Mars
निवासियों- natives , residents सुरंग नुमा – सुरंग जैसा like a tunnel आम आदमी- common man , मनाही-मना करना - prohibition चुनिंदा - चुने हुए selected हथियाना – हासिल कर लेना - gained

पार नज़र के (कहानी)

दरवाज़े में एक खाँचा बना हुआ था। खाँचे में छोटू ने कार्ड डाला तो दरवाज़ा खुल गया। अंदर वाले खाँचे में सिक्योरिटी कार्ड पहुँच गया । उसने जैसे ही उसे उठाया वैसे ही दरवाज़ा बंद हो गया। छोटू सुरंग में घुस गया।सुरंग में जगह-जगह निरीक्षक यंत्र लगे हुए थे। जिसकी खबर छोटू को नहीं थी। छोटू के प्रवेश करते ही पहले निरीक्षक यंत्र ने संदेह को दर्शाने की हरकत की तथा दूसरे यंत्र ने नियंत्रण केंद्र में इसकी जाँच करके खतरे की घंटी बजा दी। इस सब से अनजान छोटू आगे बढ़ रहा था। तभी जाने कहाँ से सिपाही दौड़े आए और छोटू को पकड़कर वापस घर छोड़ आए।छोटू अपने पापा के कारण वहाँ से छूट गया। छोटू के पापा उसे समझाने लगे कि वह दूसरी बार ऐसी गलती ना करे।

खाँचा - a small slit , slot ,coop प्रवेश करना - घुसना entry निरीक्षक यंत्र - जाँच करने वाला tools for investigation , संदेह - शक doubt, suspicion दर्शाना - दिखाना to show हरकत-हलचल - movement to act , अनजान – जिसे जानकारी न हो – unknown नियंत्रण केंद्र -control room , सिपाही - sepoy

पार नज़र के (कहानी)

उन्होंने बताया कि वे ज़मीन के ऊपर उस क्षेत्र में काम करते हैं, जहाँ के वातावरण में कोई जीवित नहीं रह सकता । वहाँ एक खास किस्म का स्पेस- सूट पहन कर जाना होता है। इस स्पेस-सूट से ऑक्सीजन मिलती है और बाहर की ठंड से भी बचा जा सकता है। उस ज़मीन के ऊपर चलना आसान नहीं होता, इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। विशेष प्रकार के जूते पहनकर वहाँ की ज़मीन पर चलने- फिरने का उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है तभी वे वहाँ जाते हैं ।

क्षेत्र - Area वातावरण- माहौल atmosphere विशेष प्रशिक्षण- खास सिखलाई special training

पार नज़र के (कहानी)

उन्होंने आगे बताया कि किसी समय मंगल ग्रह के सभी लोग ज़मीन के ऊपर रहते थे, पर सूरज में परिवर्तन होने के कारण वहाँ रहने वाले लोग मरने लगे। सूरज की गरमी और उष्णता से जीवों का पोषण होता है। पर सूरज में परिवर्तन होते ही वहाँ का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया और सभी पेड़- पौधे, पशु- पक्षी नष्ट हो गए । उनके पूर्वजों ने इस स्थिति का सामना किया और तकनीकी ज्ञान के आधार पर ज़मीन के नीचे घर बना लिए । कुछ विशेष उपकरण सूर्य की रोशनी का प्रयोग करके उनके जीवित रहने में मदद करते हैं।

परिवर्तन – बदलाव changes
उष्णता-ताप,गरमी warmth पोषण –पालन करने की क्रिया nourishment संतुलन- ताल –मेल balance नष्ट- बर्बाद destroyed vanished पूर्वज –पुरखे ancestors स्थिति-हालात situation तकनीकी ज्ञान- शिल्पक technical knowledge आधार पर- based on उपकरण- यंत्र instruments

पार नज़र के (कहानी)

इन उपकरणों की सतर्कतापूर्वक देखभाल करनी होती है । इस काम में भी छोटू के पिता भी लगे रहते हैं। छोटू भी बड़ा होकर यही काम करने की इच्छा जाहिर करता है। यह सुनकर उसकी माँ उसे मन से पढ़ने और माता-पिता की बात मानने की सलाह देती है।

यंत्रों के सहारे अब वे ज़मीन के नीचे ही रहते हैं । यंत्र ठीक तरह से काम करें, इसके लिए कुछ लोग इन यंत्रों का ध्यान रखते हैं।

उपकरणों- यंत्र instruments-device सतर्कतापूर्वक- सावधानी से with alertness , caution , ज़ाहिर – प्रकट to reveal ,disclose ध्यान रखना – ख्याल रखना taking care of ठीक तरह से – सही तरीके से accurately,

पार नज़र के (कहानी)

दूसरे दिन छोटू के पापा काम पर चले गए। वहाँ उन्होंने टी.वी. स्क्रीन पर देखा कि एक बिंदु झलक रहा है । कंप्यूटर के अनुसार यह बिंदु मंगल की धरती की तरफ़ बढ़ रहा था । छोटू के पापा को संदेह हुआ कि क्या यह अंतरिक्ष यान है? उन्होंने देखा कि अंतरिक्ष यान से एक हाथ बाहर निकलकर धीरे-धीरे बढ़ रहा है ।

अंतरिक्ष यान – वाहन spacecraft , झलक – दिखाई देना reflec ,a glimpse **संदेह-शक doubt**

पार नज़र के (कहानी)

कॉलोनी की प्रबंध समिति की सभा बुलाई गई । अध्यक्ष ने बताया कि दो अंतरिक्ष यान हमारे मंगल ग्रह की ओर बढ़ते चले आ रहे हैं । कंप्यूटर के अनुसार ये अंतरिक्ष यान किसी नज़दीकी ग्रह से छोड़े गए हैं ।

कॉलोनी की सुरक्षा के जिम्मेदार नंबर एक ने बताया कि इन दोनों अंतरिक्ष यानो को जलाकर समाप्त करने की ताकत उनके पास है ,पर इससे उन्हें कोई खास जानकारी नहीं मिल पाएगी कि वह यान कहाँ से आया वगैरह -वगैरह । उनके अनुसार अंतरिक्ष यानों में कोई जीव सवार नहीं है ,सिर्फ यंत्र हैं । नंबर दो एक वैज्ञानिक थे । उन्होंने कहा कि इन यानों को देखते रहना चाहिए और अपने अस्तित्व को छिपाए रखना चाहिए उन्हें लगे कि मंगल की ज़मीन पर कोई महत्त्वपूर्ण चीज़ नहीं है।

प्रबंध - व्यवस्था समिति –management committee , अध्यक्ष-chairman , director नज़दीकी ग्रह -nearby planet सुरक्षा-safety **जलाकर-to be burnt down सवार – यात्री aboard , passenger , अस्तित्व- हस्ती existence**

पार नज़र के (कहानी)

सामाजिक व्यवस्था का काम देखने वाले नंबर 3 ने खबर दी कि अंतरिक्ष यान क्रमांक एक मंगल की ज़मीन पर उतर चुका है। वह दिन छोटू के लिए बड़ा महत्त्वपूर्ण था क्योंकि उसके पापा उसे कंट्रोल रूम में ले गए थे। वहाँ छोटू के पापा ने उसे एक कॉन्सोल पैनल दिखाया। उस पर कई बटन थे।

सामाजिक व्यवस्था- समाज का प्रबंध social system ,organisation कंट्रोल रूम – नियन्त्रण कक्ष- control room

पार नज़र के (कहानी)

छोटू का पूरा ध्यान कॉन्सोल पैनल पर था। अब अंतरिक्ष यान ने एक हाथ बाहर निकाला। वह शायद ज़मीन पर पहुँचकर मिट्टी उकेर लेना चाहता था। छोटू ने कॉन्सोल पैनल लगे एक लाल बटन को दबा दिया। इससे अंतरिक्ष यान के यांत्रिक हाथ की हरकत एकदम रुक गई और यंत्र बेकार हो गया।

उकेर लेना – निकालना to carve out हरकत –हिलना movement , यंत्र – उपकरण instrument , बेकार –निकम्मा useless

पार नज़र के (कहानी)

उधर पृथ्वी पर नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा)ने यह घोषणा की कि मंगल की धरती पर उतरा अंतरिक्ष यान वाइकिंग अपना निर्धारित कार्य कर रहा है। अज्ञात कारणों से उसका यांत्रिक हाथ बेकार हो गया है। उसे ठीक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अगले दिन समाचार- पत्रों में छपा कि वाइकिंग को दुरुस्त कर दिया गया है। उसने मिट्टी के विभिन्न नमूने इकट्ठे करने का काम शुरू कर दिया है। मंगल की मिट्टी का अध्ययन करने से वहाँ पर पृथ्वी की तरह जीवन है या नहीं इसका पता लगाया जा सकेगा।

यांत्रिक हाथ- यंत्रों की सहायता से बना हाथ instrumental hand बेकार – useless घोषणा-announcement निर्धारित कार्य- पहले से तय काम prescribed work अज्ञात कारणों – जिसका पता न हो unknown reasons प्रयास – कोशिश tried दुरुस्त- ठीक to repair विभिन्न – अलग-अलग different नमूने-samples ,specimen अध्ययन-study

पाठ :- पार नज़र के - अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1-छोटू और उसकी माँ के बीच रोज़ क्या बात होती थी ?
उत्तर-उन दोनों के बीच सुरंगनुमा रास्ते की बात होती थी |

प्रश्न 2- छोटू के पापा किधर से काम पर जाया करते थे ?
उत्तर- छोटू के पापा सुरंग से काम पर जाया करते थे|

प्रश्न 3- छोटू की माँ किसका इंतजार कर रही थी?
उत्तर- छोटू की माँ छोटू का इंतजार कर रही थी|

प्रश्न4 नासा द्वारा छोड़े गए अंतरिक्ष यान का क्या नाम था ?
उत्तर-नासा द्वारा छोड़े गए अंतरिक्ष यान का नाम वाइकिंग था |

प्रश्न 5- अंतरिक्ष यान किस ग्रह से छोड़ा गया था ?
उत्तर - अंतरिक्ष यान पृथ्वी से छोड़ा गया था |

पाठ :- पार नज़र के - अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 6 - छोटू को पिटने से किसने बचाया ?
उत्तर- छोटू के पापा ने छोटू को पिटने से बचाया।

प्रश्न 7- सिपाही क्यों दौड़े चले आए ?
उत्तर - छोटू को वापस ले जाने के लिए सिपाही दौड़े चले आए।

प्रश्न 8- सूर्य की रोशनी गर्मी और शक्ति देने वाले उपकरण कहाँ लगे थे?
उत्तर- सूर्य की रोशनी गर्मी और शक्ति देने वाले उपकरण ज़मीन के ऊपर लगे थे।

प्रश्न 9- छोटू के पापा क्या पहन कर ज़मीन के ऊपर जाते थे ?
उत्तर- छोटू के पापा खास प्रकार का स्पेस सूट पहन कर ज़मीन ऊपर जाते थे ।

प्रश्न10 - छोटू का परिवार किस ग्रह पर रहता था ?
उत्तर - छोटू का परिवार मंगल ग्रह पर रहता था।

लघु उत्तरीय प्रश्न -

प्रश्न 1. छोटू के पापा जिस स्पेस- सूट को पहन कर काम करने जाते थे,उसकी क्या विशेषता थी ?
उत्तर:- छोटू के पापा जिस स्पेस- सूट को पहन कर काम करने जाते थे,उसकी यह विशेषता थी कि वह स्पेस- सूट उन्हें ऑक्सीजन देता था तथा ठंड से बचाता था|

प्रश्न 2. छोटू को उसके पापा ने झापड़ क्यों मारा ?
उत्तर:- कॉन्सोल पैनेल पर लगे लाल बटन को दबाकर काम में रूकावट डालने के कारण छोटू के पापा ने उसे झापड़ मारा |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न **छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी ?**

उत्तर:- छोटू या किसी आम आदमी को सुरंग में जाने की इजाज़त नहीं थी क्योंकि उस सुरंग से ज़मीन पर जाने का रास्ता था , इसके अलावा सुरंग में भी कई तरह के यंत्र लगे हुए थे। वहाँ केवल उन यंत्रों की देखभाल का काम करने वाले लोग ही जाते थे, आम आदमी बिना सुरक्षा उपकरणों के वहाँ जीवित नहीं रह सकता था |

प्रश्न **4. कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?**

उत्तर:- कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने देखा सब लोग मंगल पर उतरे यान से परेशान थे। सब लोग स्क्रीन पर दिखाई दे रहे अंतरिक्ष यान की हरकत को ध्यान से देख रहे थे । तब छोटू का सारा ध्यान था कॉन्सोल पैनेल पर था । वहाँ एक लाल बटन उसे आकर्षित कर रहा था। उसे दबाने की अपनी इच्छा को वह रोक नहीं पाया और उसने बटन दबा दिया।

प्रश्न **5. कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?**

उत्तर:- मंगल की मिट्टी के विभिन नमूने इकट्ठे करने के लिए कहानी में अंतरिक्ष यान को नेशनल एअरोनाटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने भेजा था, क्योंकि पृथ्वी के वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर इस बात का पता करना चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर भी पृथ्वी की ही तरह जीव रहते हैं या नहीं ?